लक्ष्मी प्रदायक है "गोमती चक्र"

यह एक दुर्लभ वस्तु है और आसानी से प्राप्त नहीं होता। यह एक सफेद टुकड़ा होता है। जिस पर एक चक्र सा बना होता है। यह चक्र स्वतः प्रकृति द्वारा निर्मित होता है। होली/दीपावली/ नवरात्रि/ग्रहण काल में साधक को चाहिए कि ऐसा गोमती चक्र अपने सामने रख ले और उस पर निम्न मन्त्र की ग्यारह मालाएँ फेरें-

मन्त्रः- ॐ वं आरोग्यानिकरी रोगानशेषानमः

इस प्रकार जब ग्यारह मालाएं सम्पन्न हो जायें तब साधक को वह गोमती चक्र सावधानी पूर्वक एक तरफ रख देना चाहिए। यह सिद्ध गोमती चक्र तीन वर्ष तक प्रभाव युक्त रहता है।

इसका प्रयोग बीमारी पर विशेष रूप से किया जाता है। कोई बीमार हो तो एक साफ गिलास में शुद्ध जल लेकर उसमें यह गोमती चक्र डाल दे और ऊपर लिखे मन्त्र को इक्कीस बार मन ही मन उच्चारण कर उस गोमती चक्र को बाहर निकाल दें तथा वह पानी रोगी को पिला दें तो वह रोगी स्वस्थ होने लगता है अथवा दवाईयों का असर होने लगता है।

आश्चर्य की बात यह है कि ऐसा प्रयोग किसी भी प्रकार के रोगी पर किया जा सकता है। तीन वर्ष के बाद इस प्रकार के गोमती चक्र को पुनः सिद्ध किया जा सकता है।

1. यदि 11 गोमती चक्र को लाल सिन्दूर की डिब्बी में घर में रखें तो घर में सुख शांति बनी रहती है।
2. यदि घर में भूत-प्रेतों का उपद्रव हो तो 21 गोमती चक्र लेकर घर के मुखिया के ऊपर घुमाकर आग में डाल दें तो घर से भूत-प्रेत का उपद्रव समाप्त हो जाता है।
3. यदि घर में बीमारी हो या किसी का रोग शांत नहीं हो रहा हो तो 11 गोमती चक्र लेकर उसे चाँदी में पिरोकर रोगी के पलंग के पाये पर बाँध दें, तो उसी दिन से रोगी का रोग समाप्त होने लगता है।
4. व्यापार वृद्धि के लिए ग्यारह गोमती चक्र लेकर उसे बांधकर ऊपर चौखट पर लटका दें, और ग्राहक उसके नीचे से निकले, तो निश्चय ही व्यापार में वृद्धि होती है।
5. प्रमोशन नहीं हो रहा हो तो पांच गोमती चक्र लेकर शिव मंदिर में शिवलिंग पर चढ़ा दें, और सच्चे हृदय से प्रार्थना करें। निश्चय ही प्रमोशन के रास्ते खुल जायेंगे।
6. पति-पत्नी में मतभेद हो तो गोमती चक्र लेकर घर के दक्षिण में 'हलूं बलजाद' कहकर फेंक दें, मतभेद समाप्त हो जायेगा।
7. पुत्र प्राप्ति के लिए इक्कीस गोमती चक्र लेकर किसी नदी या तालाब में 'हिलि हिलि मिलि मिलि चिलि चिलि हुक' पाँच बार बोलकर विसर्जित करें, पुत्र प्राप्ति की संभावनाएँ बढ़ जाती है।
8. यदि बार-बार गर्भ गिर रहा हो तो ग्यारह गोमती चक्र लाल कपड़े में बाँधकर कमर में बाँध दें तो गर्भ गिरना बंद हो जाता है।
9. यदि शत्रु बढ़ गये हों तो जितने अक्षर का शत्रु का नाम है उतने गोमती चक्र लेकर उस पर शत्रु का नाम लिखकर उन गोमती चक्रों को जमीन में गाड़ दें तो शत्रु परास्त हो जायेंगे।
10. यदि कोई कचहरी जाते समय घर के बाहर ग्यारह गोमती चक्र रखकर उस पर दाहिना पाँव रखकर जावे तो उस दिन कोर्ट-कचहरी में सफलता प्राप्त होती है।
11. भाग्योदय के लिए ग्यारह गोमती चक्र का चूर्ण बनाकर घर के बाहर बिखेर दें तो दुर्भाग्य समाप्त होता है।
12. राज्य में सम्मान प्राप्ति के लिए ग्यारह गोमती चक्र दक्षिणा के साथ किसी ब्राह्मण को दान में दे दें तो अटके हुए कार्य पूरे हो जाते हैं।
13. यदि नौ गोमती चक्र बुधवार के दिन अपने सिर पर घुमाकर चारों दिशाओं में फेंक दें, तो व्यक्ति पर किये गये तांत्रिक प्रभाव से राहत मिलती है।
14. यदि गोमती चक्र चाँदी में जड़वा कर बच्चे के गले में पहना दिया जाये तो बच्चे को नजर नहीं लगती और वह स्वस्थ बना रहता है।
15. यदि एक सौ आठ गोमती चक्र दीपावली के दिन पूजा घर में स्थापित करें और उन्हें लक्ष्मी मानकर पूजन अर्चन करें तो उसके जीवन में निरन्तर उन्नति बनी रहती है।
16. यदि स्वास्थ्य ठीक नहीं हो तो सात गोमती चक्र अपने सिर पर घुमा कर किसी ब्राह्मण या फकीर को दान में दे दें, तो रोग उसी क्षण से समाप्त होना शुरू हो जाता है।
17. यदि 11 गोमती चक्र लाल पोटली में बाँधकर दुकान में किसी भी स्थान पर रख दें तो जब तक वह पोटली दुकान में रहेगी तब तक निश्चय ही व्यापार में उन्नति होती रहेगी या व्यापार रूक गया है तो वापस प्रारम्भ हो जायेगा। व्यापार में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं आयेगी।
18. यदि आप लक्ष्मी की कामना रखते हैं, लेकिन यंत्र के पूजा-पाठ की पवित्रता, यंत्र की सार-संभाल करने में असमर्थ है तो आपको समृद्धि हेतु टोटके आजमाने चाहिए जो देखने में छोटे जरूर है, लेकिन प्रभावी पूरे हैं। एक बाजोट पर लाल वस्त्र बिछाकर उस पर चावल से 'षट्कोण' बनायें और 11 गोमती चक्र को उसके बीच में स्थापित करें। एक तरफ घी का व दूसरी तरफ तेल का दीपक जलाये अब किसी माला से 'श्रीं' मंत्र की 21 माला जाप करें। अब सुबह में इस सारी सामग्री को किसी पीपल के पेड़ में विसर्जित कर दें और पीछे मुड़े बिना घर आकर स्नान कर ले। उत्तम होगा यदि आप शंख माला से जाप करें।
19. अगर आप को ये महसूस हो रहा है कि व्यापार पर किसी की नजर लग गई है व कल तक जहाँ अच्छी-खासी बिक्री हो रही थी, आजकल एकदम कम हो गई है तो आप 'ऐं ह्रीं श्रीं क्लीं' मंत्र का जाप करते हुए 7 गोमती चक्र व एक दिव्य शंख व एक लघु नारियल पर एक एक चावल डालते हुए उपरोक्त मंत्र को 108 बार बोलें। फिर इन सब चीजों को किसी पीले वस्त्र में बांधकर लाल धागे से लपेटकर दुकान में टांग दे। व्यापार पुनः पहले की भांति गति पकड़ेगा।
20. कई बार ऐसा होता है कि किसी को पैसा देने के बाद तिजोरी से पैसा निकलता जाता है। पैसा टिकता नहीं तो आप धनत्रयोदशी के दिन 9 गोमती चक्र एक दिव्य शंख 5 कौड़ियां "माँ वैभवलक्ष्मी" का स्मरण करते हुए तिजोरी में रख दे। अगर प्रत्याक्षित लाभ अनुभव करें तो हर महीने बराबर उसी तारीख को पोटली बदलते रहे व पुरानी पोटली को किसी मंदिर में चढ़ा दे।

प्रति गोतमी चक्र न्यौछावर 21 रु. ♦♦♦